bright
Punjab Express

Gali Mohalla Cricket League launches mission to wipe out drugs from Punjab through cricket

PUNJAB EXPRESS BUREAU
Chandigarh, June 27

The Gali Mohalla Cricket League (GMCL) kicked off a powerful movement at Chandigarh Press Club on Friday promising to fight Punjab's drug problem with the magic of cricket. After successful events in New Delhi and Mumbai—where GMCL teamed up with Maharashtra Police for the state's Nasha Mukti Abhiyaan, the Chandigarh press conference shared a clear plan to change Punjab's future, one game at a time.

The event also introduced the GMCL Sarpanch Trophy, a new cricket tournament to inspire rural communities to join the fight against drugs.

The conference was led by a strong team: Baba Inder Preet Singh, Spiritual Head of Satkarmic Mission, and Aman Bandvi, Director of Global Middas Capital and Sadda Khirda Punjab, joined by Harmeet Singh, Director of Player Development and Psychology, and Raman Gandhi, CEO of GMCL. They shared a plan to tackle Punjab's drug crisis by dividing the state into three zones—Majha, Malwa, and Doaba—to spread cricket's positive impact across every corner.

Baba Inder Preet Singh spoke from the heart about how drugs are hurting Punjab's families and youth, breaking their spirit. Harmeet Singh talked about how cricket builds mental strength to fight addiction. "Our PRIDE Academy teaches players to stay strong, both in the game and in life," he said. Raman Gandhi shared GMCL's big plan: 500 teams, 5500 players, and 5000 matches across Punjab, starting August 2025, with support from Punjab Police and schools.

अजीत समाचार

AJIT SAMACHAR – JULY 1, PG 2

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने नशे के खात्मे के लिए शुरू किया विशेष अभियान

क्रिकेट के माध्यम से युवाओं को मिलेगा नया जीवन

चंडीगढ़, 30 जून (विशेष संवाददाता): गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता के दौरान नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। दिल्ली और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद, जहां जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ नशा मुक्ति अभियान में भाग लिया था, वहीं अब क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है। इस मौके पर जीएमसीएल ने जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी की घोषणा की, जो ग्रामीण समाज को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके प्रेस वार्ता में बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सतकार्मिक मिशन, अमन बंदवी, निदेशक, ग्लोबल मिडास कैपिटल, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के जरिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे। इस अवसर पर बोलते हुए अमन बंदवी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और राज्य के पुनर्निर्माण की मुहिम है। हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें। इस मौके जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से राज्य भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा।जीएमसीएल ने यह भी स्पष्ट किया कि इस में शामिल खिलाड़ियों में 30 प्रतिशत महिलाएं होंगी। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं सरपंच ट्रॉफी ग्रामीण क्षेत्रों में नई ऊर्जा लेकर आएगी। राज्य में बढ़ते नशे के खतरे और सिंथेटिक ड्रग्स की समस्या के बीच जीएमसीएल की यह पहल एक नई उम्मीद बनकर उभरी है। क्रिकेट की लोकप्रियता और गांव-शहर की साझेदारी से यह मुहिम सामाजिक बदलाव की ओर एक मजबूत कदम है। अंत में, जीएमसीएल ने अपने वादे को दोहराते हुए कहा कि खेल, सेवा और एकता के जरिए राज्य को नशा मुक्त और सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य है।

Gali Mohalla CRICKET LEAGUE

अर्थ प्रकाश

ARTH PARKASH – JUNE 28, PG 5

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग ने पंजाब से नशे के खात्मे के लिए कमर कसी

क्रिकेट के ज़रिए युवाओं को मिलेगा नया जीवन

ग्रामीण पंजाब के लिए 'सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा

अर्थ प्रकाश/सुशील सहगल

चंडीगढ़। गली मोहल्ला क्रिकेट लीग ने शुक्रवार को पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ 'नशा मुक्ति अभियान' में भाग लेने के बाद अब पंजाब में भी क्रिकेट के ज़रिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना बनाई है।

ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से 'जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा की गई। बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सतकार्मिक मिशन, अमन बंदवी, निदेशक, ग्लोबल मिडास कैपिटल व साझा खिड़दा पंजाब, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप में सम्मिलित हुए।

अर्थ प्रकाश से जानकारी सांझा करते हुए बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के ज़रिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे।अमन बंदवी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और पंजाब के पुनर्निर्माण की मुहिम है। हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें।

इस अवसर पर सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा।

पंजाब को तीन क्षेत्रों माझा, मालवा और दोआबा में बांटकर यह अभियान चलाया जा रहा है। माझा क्षेत्र में अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन और पठानकोट जिलों को शामिल किया गया है। सिख विरासत वाले इस क्षेत्र में नशे के खिलाफ एकजुटता लाई जाएगी। इसी तरह 14 जिलों और 69 विधानसभा क्षेत्रों वाले सबसे बड़े क्षेत्र मालवा में लुधियाना, पटियाला, मोगा और बठिंडा जैसे शहर शामिल हैं। यहां युवाओं को क्रिकेट से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी। इसी तरह दोआबा क्षेत्र में जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और शहीद भगत सिंह नगर जैसे जिलों में समुदाय आधारित नेटवर्क का उपयोग करके जीएमसीएल का संदेश फैलाया जाएगा।

दैनिक स्टेट समाचार

STATE SAMACHAR – JUNE 28, PG 5

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने पंजाब से नशे के खात्मे के लिए शुरू किया विशेष अभियान

चंडीगढ़, स्टेट समाचार।

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता के दौरान पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। दिल्ली और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद, अब जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ नशा मुक्ति अभियान में भाग लिया था, वहीं अब पंजाब में भी क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है।

इस मौके पर जीएमसीएल ने जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी की घोषणा की, जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके प्रेस वार्ता में बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सतकार्मिक मिशन, अमन बंदवी, निदेशक, ग्लोबल मिडास कैपिटल व साझा खिड़दा पंजाब, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के जरिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे। इस अवसर पर बोलते हुए अमन बंदवी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और पंजाब के पुनर्निर्माण की मुहिम है। हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें। इस मौके जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि पंजाब को तीन क्षेत्रों माझा, मालवा और दोआबा में बांटकर यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि माझा क्षेत्र में अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन और पठानकोट जिलों को शामिल किया गया है।

पंजाबी ट्रिब्यून

ਨਸ਼ਿਆਂ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਕ੍ਰਿਕਟ ਲੀਗ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ: ਗਲੀ ਮੁਹੱਲਾ ਕ੍ਰਿਕਟ ਲੀਗ (ਜੀਐੱਮਸੀਐੱਲ) ਨੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪ੍ਰੈੱਸ ਕਲੱਬ ਵਿੱਚ ਕਾਨਫਰੰਸ ਦੌਰਾਨ ਨਸ਼ਿਆਂ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਮੁਹਿੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ 'ਸਰਪੰਚ ਟਰਾਫੀ' ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਦਾ ਮੰਤਵ ਪੇਂਡੂ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਇਕਜੁੱਟ ਕਰਨਾ ਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਦਾ ਸਨਮਾਨ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਬਾਬਾ ਇੰਦਰ ਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੀਐੱਮਸੀਐੱਲ ਰਾਹੀਂ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜਿਉਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਅਮਨ ਬੰਦਵੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੀਐੱਮਸੀਐੱਲ ਮਹਿਲਾ ਸਸ਼ਕਤੀਕਰਨ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪੁਨਰ ਨਿਰਮਾਣ ਲਈ ਨਵੀਂ ਮੁਹਿੰਮ ਹੈ। ਪ੍ਰਾਈਡ ਅਕੈਡਮੀ ਦੇ ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਨਸਿਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਸੀਈਓ ਰਮਨ ਗਾਂਧੀ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਹ ਮੁਹਿੰਮ ਹਰ ਗਲੀ ਤੇ ਪਿੰਡ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚੇਗੀ। **-ਵਪਾਰ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧ**

उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचारपत्र

ऑनलाइन संस्करण

www.dainiktribuneonline.com

दैनिक ट्रिब्यून

पंजाब में नशे के खात्मे के लिए विशेष अभियान

ग्रामीण पंजाब के लिए 'सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा

मनीमाजरा (चंडीगढ़), 27 जून (हप्र)

चंडीगढ़ प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता के दौरान गली मोहल्ला क्रिकेट लीग के सदस्य पंजाब में 'जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा करते हुए। -हप्र

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने शुक्रवार को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता के दौरान पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। दिल्ली और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद, जहां जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ 'नशा मुक्ति अभियान' में भाग लिया था, वहीं अब पंजाब में भी क्रिकेट के ज़रिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है। इस मौके पर जीएमसीएल ने 'जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा की, जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके बाबा इंदर प्रीत सिंह, हरमीत सिंह, रमन गांधी मुख्य रूप में शामिल हुए। बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के जरिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे। अमन बंदवी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और पंजाब के पुनर्निर्माण की मुहिम है। हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाडिय़ों को मानसिक रूप से मज़बूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें। इस मौके जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा।

देवभूमि का अग्रणी समाचारपत्र

दिव्य हिमाचल

एक नजर

'गली मोहल्ला क्रिकेट लीग सरपंच ट्रॉफी' से नशे पर वार

चंडीगढ़। गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने शुक्रवार को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता के दौरान पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर जीएमसीएल ने 'जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा की, जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके पर प्रेस वार्ता में बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सतकार्मिक मिशन, अमन बंदवी, निदेशक, ग्लोबल मिडास कैपिटल व साड्डा खिड़दा पंजाब, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप में शामिल हुए। जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने कहा कि अगस्त, 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे।

YUGMARG

Gali Mohalla Cricket League (GMCL) launches powerful mission to wipe out drugs from Punjab through cricket

BUREAU
CHANDIGARH, JUNE 27

Today, the Gali Mohalla Cricket League (GMCL) kicked off a powerful movement at Chandigarh Press Club, promising to fight Punjab's drug problem with the magic of cricket. After successful events in New Delhi and Mumbai—where GMCL teamed up with Maharashtra Police for the state's Nasha Mukti Abhiyaan—this Chandigarh press conference shared a clear plan to change Punjab's future, one game at a time. The event, packed with media, community leaders, and young people, also introduced the GMCL Sarpanch Trophy, a new cricket tournament to inspire rural communities to join the fight against drugs.

The conference was led by a strong team: Baba Inder Preet Singh, Spiritual Head of Satkarmic Mission, and Aman Bandvi, Director of Global Middas Capital and Sadda Khirda Punjab, joined by Harmeet Singh, Director of Player Development and Psychology, and Raman Gandhi, CEO of GMCL. They shared a plan to tackle Punjab's drug crisis by dividing the state into three zones—Majha, Malwa, and Doaba—to spread cricket's positive impact across every corner.

Baba Inder Preet Singh spoke from the heart about how drugs are hurting Punjab's families and youth, breaking their spirit. "Cricket brings people together," he said. "Through GMCL, we'll help our youth find hope and purpose instead of drugs." Aman Bandvi explained how cricket can rebuild Punjab. "GMCL is about creating jobs, supporting women, and changing lives for the better," he said. "It's a movement to make Punjab strong again."

Harmeet Singh talked about how cricket builds mental strength to fight addiction. "Our PRIDE Academy teaches players to stay strong, both in the game and in life," he said. Raman Gandhi shared GMCL's big plan: 500 teams, 5500 players, and 5000 matches across Punjab, starting August 2025, with support from Punjab Police and schools. "We're including everyone—30% of players will be women, and we'll create jobs while finding talent in every street and village," Gandhi said. He also announced the GMCL Sarpanch Trophy, a special tournament to bring rural Punjab together and honor village leaders.

देश प्यार
news.com हिंदी दैनिक News Portal & Web TV

क्रिकेट के ज़रिए युवाओं को मिलेगा नया जीवन

देश प्यार, चंडीगढ़-गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता के दौरान पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। दिल्ली और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद, जहां जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ %नशा मुक्ति अभियान% में भाग लिया था, वहीं अब पंजाब में भी क्रिकेट के ज़रिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है।जीएमसीएल ने %जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी% की घोषणा की, जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके प्रेस वार्ता में बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सतकार्मिक मिशन, अमन बंदवी, निदेशक, ग्लोबल मिडास कैपिटल व साड्डा खिड़दा पंजाब, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के ज़रिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे। इस अवसर पर बोलते हुए अमन बंदवी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और पंजाब के पुनर्निर्माण की मुहिम है।

हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें। इस मौके जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा।

उन्होंने बताया कि पंजाब को तीन क्षेत्रों माझा, मालवा और दोआबा में बांटकर यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि माझा क्षेत्र में अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन और पठानकोट जिलों को शामिल किया गया है। सिख विरासत वाले इस क्षेत्र में नशे के खिलाफ एकजुटता लाई जाएगी। इसी तरह 14 जिलों और 69 विधानसभा क्षेत्रों वाले सबसे बड़े क्षेत्र मालवा में लुधियाना, पटियाला, मोगा और बठिंडा जैसे शहर शामिल हैं। यहां युवाओं को क्रिकेट से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी। इसी तरह दोआबा क्षेत्र में जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और शहीद भगत सिंह नगर जैसे जिलों में समुदाय आधारित नेटवर्क का उपयोग करके जीएमसीएल का संदेश फैलाया जाएगा।

दैनिक भास्कर

Cricket For Cause | 500 टीमों से खेलेंगे 5500 प्लेयर्स

पंजाब में होगी गली मोहल्ला क्रिकेट लीग

चंडीगढ़ | नशे के खिलाफ लड़ाई और युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए पंजाब में गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) शुरू होगी। दिल्ली और पंजाब में मिली सफलता के बाद पंजाब में इसे शुरू किया जाएगा। मुकाबले अगस्त में खेले जाएंगे।

15 से 40 साल तक के प्लेयर इसमें शामिल होंगे। इसके अलावा जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी के मैच भी इसमें होंगे, ताकि उन्हें भी मैदान तक लाया जाए। बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि पंजाब में नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए खेल से बेहतर माध्यम नहीं हो सकता। हम 14 जिलों के 69 विधानसभा को इसमें कवर करेंगे। 500 से ज्यादा टीमें इसमें खेलेंगी, जिसमें 5500 प्लेयर्स 5000 मैच बॉक्स में खेलेंगे। पंजाब पुलिस का हम इसमें सहयोग लेंगे और युवाओं तक पहुंचेंगे। विजेता मेन टीम को 11 लाख की अवॉर्ड मनी मिलेगी और रनरअप को 5 लाख दिए जाएंगे। विमन कैटेगरी में ये अवॉर्ड 5 लाख और 2.5 लाख होगा। हर टीम कम से कम 10 मैच खेलेगी और 1100 रुपए रजिस्ट्रेशन फीस होगी। बेस्ट प्लेयर्स को प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जाएगी।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने पंजाब से नशे के खात्मे के लिए शुरू किया विशेष अभियान

- क्रिकेट के जरिए युवाओं को मिलेगा नया जीवन
- ग्रामीण पंजाब के लिए सरपंच ट्रॉफी की घोषणा

सवेरा न्यूज/अमित

चंडीगढ़, 27 जून : गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने शुक्रवार को चंडीगढ़ प्रैस क्लब में पत्रकार वार्ता के जरिए पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरूआत की।

चंडीगढ़ प्रैस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान गली मोहल्ला क्रिकेट लीग का प्रमोशन करते आयोजक। - अनिल कुमार

दिल्ली और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद, जहां जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ नशा मुक्ति अभियान में भाग लिया था, वहीं अब पंजाब में भी क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है। इस मौके पर जीएमसीएल ने जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी की घोषणा की, जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके प्रेस वार्ता में बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सतकार्मिक मिशन, अमन बंदवी, निदेशक, ग्लोबल मिडास कैपिटल व साइडा खिड्दा पंजाब, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के जरिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे। इस अवसर पर बोलते हुए अमन बंदवी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और पंजाब के पुनर्निर्माण की मुहिम है। हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें। इस मौके जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा। जीएमसीएल ने यह भी स्पष्ट किया कि इस में शामिल खिलाड़ियों में 30 प्रतिशत महिलाएं होंगी। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं सरपंच ट्रॉफी ग्रामीण क्षेत्रों में नई ऊर्जा लेकर आएगी।

DAINIK JAGRAN

जागरण सिटी
दैनिक जागरण
चंडीगढ़

युद्ध नशे के विरुद्ध में सहयोगी बनेगी गली-मोहल्ला क्रिकेट 2

संस्कृति, परंपरा, रीत और उत्सव है लोक नृत्य 6

www.jagran.com

NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW OPEN . NOW

युद्ध नशे के विरूद्ध में सहयोगी बनेगी गली-मोहल्ला क्रिकेट लीग

ग्रामीण पंजाब के लिए 'सरपंच ट्राफी' की घोषणा, गली-मोहल्ला क्रिकेट लीग ने नशे के खात्मे के लिए शुरू किया विशेष अभियान

खेल जागरण

सरपंच ट्रॉफी को माझा, मालवा और दोआबा में बांटकर करवाएंगे चैंपियनशिप

30 प्रतिशत रहेगी महिलाओं की हिस्सेदारी

ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਆਵਾਜ਼
ਅਜੀਤ ®

ਗਲੀ ਮੁਹੱਲਾ ਕ੍ਰਿਕਟ ਲੀਗ ਵਲੋਂ ਨਸ਼ਿਆਂ ਨੂੰ ਖ਼ਤਮ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੁਹਿਮ ਸ਼ੁਰੂ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 27 ਜੂਨ (ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਔਜਲਾ)-ਗਲੀ ਮੁਹੱਲਾ ਕ੍ਰਿਕਟ ਲੀਗ (ਜੀ. ਐਮ. ਸੀ. ਐਲ.) ਨੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪ੍ਰੈੱਸ ਕਲੱਬ ਵਿਖੇ ਇਕ ਪ੍ਰੈੱਸ ਕਾਨਫ਼ਰੰਸ ਦੌਰਾਨ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਨਸ਼ਿਆਂ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਇਕ ਵੱਡੀ ਮੁਹਿਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ। ਦਿੱਲੀ ਤੇ ਮੁੰਬਈ 'ਚ ਸਫਲ ਸਮਾਗਮਾਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜਿਥੇ ਜੀ. ਐਮ. ਸੀ. ਐਲ. ਨੇ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਪੁਲਿਸ ਨਾਲ 'ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤੀ ਅਭਿਆਨ' 'ਚ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ, ਹੁਣ ਪੰਜਾਬ 'ਚ ਵੀ ਕ੍ਰਿਕਟ ਰਾਹੀਂ ਸਮਾਜਿਕ ਤਬਦੀਲੀ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਯੋਜਨਾ ਘੜੀ ਰੱਖੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਜੀ. ਐਮ. ਸੀ. ਐਲ. ਨੇ 'ਜੀ. ਐਮ. ਸੀ. ਐਲ. ਸਰਪੰਚ ਟਰਾਫ਼ੀ' ਦਾ ਵੀ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ, ਜਿਸ ਦਾ ਪੇਂਡੂ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਇਕਜੁੱਟ ਕਰਨ ਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਨ ਦੇ ਮੰਤਵ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪ੍ਰੈੱਸ ਕਾਨਫ਼ਰੰਸ 'ਚ ਬਾਬਾ ਇੰਦਰ ਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਤਮਿਕ ਮੁਖੀ, ਸਤਕਰਮਿਕ ਮਿਸ਼ਨ, ਅਮਨ ਬੰਦਵੀ, ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਗਲੋਬਲ ਮਿਡਾਸ ਕੈਪੀਟਲ ਅਤੇ ਸਾਡਾ ਖਿਡਦਾ ਪੰਜਾਬ, ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ, ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਖਿਡਾਰੀ ਵਿਕਾਸ ਤੇ ਮਨੋਵਿਗਿਆਨ ਵਿਭਾਗ ਅਤੇ ਰਮਨ ਗਾਂਧੀ, ਸੀ. ਈ. ਓ. ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਏ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਬਾਬਾ ਇੰਦਰ ਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਨਸ਼ਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਤੇ ਪਰਿਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕ੍ਰਿਕਟ ਏਕਤਾ ਲਿਆਉਂਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਜੀ. ਐਮ. ਸੀ. ਐਲ. ਰਾਹੀਂ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਉਮੀਦ ਤੇ ਉਦੇਸ਼ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਅਮਨ ਬੰਦਵੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੀ. ਐਮ. ਸੀ. ਐਲ. ਸਿਰਫ਼ ਕ੍ਰਿਕਟ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਇਹ ਰੁਜ਼ਗਾਰ, ਮਹਿਲਾ ਸਸ਼ਕਤੀਕਰਨ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪੁਨਰ ਨਿਰਮਾਣ ਲਈ ਇਕ ਮੁਹਿਮ ਹੈ। ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪ੍ਰਾਈਡ ਅਕੈਡਮੀ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਨਸਿਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਉਂਦੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੀਆਂ ਚੁਣੌਤੀਆਂ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਮੈਦਾਨ 'ਤੇ ਵੀ ਕਰ ਸਕਣ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਜੀ. ਐਮ. ਸੀ. ਐਲ. ਦੇ ਸੀ. ਈ. ਓ. ਰਮਨ ਗਾਂਧੀ ਨੇ ਵੱਡੇ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਯੋਜਨਾ ਬਾਰੇ ਦੱਸਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਗਸਤ 2025 ਤੋਂ ਪੰਜਾਬ ਭਰ 'ਚ 500 ਟੀਮਾਂ, 5500 ਖਿਡਾਰੀ ਤੇ 5000 ਮੈਚ ਕਰਵਾਏ ਜਾਣਗੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਤੇ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਇਹ ਮੁਹਿਮ ਹਰ ਗਲੀ ਤੇ ਪਿੰਡ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਹ ਮੁਹਿਮ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਤਿੰਨ ਖੇਤਰਾਂ ਮਾਝਾ, ਮਾਲਵਾ ਤੇ ਦੋਆਬਾ ਵਿਚ ਵੰਡ ਕੇ ਚਲਾਈ ਜਾਵੇਗੀ। ਜੀ. ਐਮ. ਸੀ. ਐਲ. ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਸਪਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਕਿ ਇਸ 'ਚ ਸ਼ਾਮਿਲ 30 ਫੀਸਦੀ ਖਿਡਾਰੀ ਔਰਤਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ। ਇਹ ਮਹਿਲਾ ਸਸ਼ਕਤੀਕਰਨ ਵੱਲ ਇਕ ਵੱਡਾ ਕਦਮ ਹੈ।

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪ੍ਰੈੱਸ ਕਲੱਬ ਗਲੀ-ਮੁਹੱਲਾ ਕ੍ਰਿਕਟ ਲੀਗ ਮੁਹਿਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕਰਨ ਸਮੇਂ ਰਮਨ ਗਾਂਧੀ, ਅਮਨ ਬੰਦਵੀ, ਬਾਬਾ ਇੰਦਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਤੇ ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ। ਤਸਵੀਰ : ਕੁਲਿੰਦਰ ਸਿੰਘ

पंजाब केसरी

— www.PunjabKesari.com —

खेल-कूद | पंजाब में भी क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग से नशे को समाप्त करने के लिए अभियान जरूरी : बाबा

चंडीगढ़, 27 जून (ललन): गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जी.एम.सी. एल.) शुरू करने से पंजाब में नशे समाप्त होगा और युवा खेल से जुड़ेंगे। सामाजिक मिशन के संस्थापक बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि जी.एम.सी.एल. ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ 'नशा मुक्ति अभियान' में भाग लिया था, वहीं अब पंजाब में भी क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है। इस मौके पर जी.एम.सी.एल. की सरपंच ट्रॉफी की घोषणा की

जानकारी देते हुए गली मोहल्ला क्रिकेट लीग के अधिकारी।

जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है इसलिए हम जी.एम.सी.एल. के जरिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे।

इस मौके पर गली मोहल्ला क्रिकेट लीग के सी.ई.ओ. रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना बारे कहा कि 15 अगस्त से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा।

लीग में 30 प्रतिशत महिलाएं होंगी

उन्होंने बताया कि पंजाब को तीन जोन में बांटा गया है, जिसमें माझा, मालवा और दोआबा शामिल हैं। माझा क्षेत्र में अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन और पठानकोट जिलों को शामिल किया गया है। सिख विरासत वाले इस क्षेत्र में नशे के खिलाफ एकजुटता लाई जाएगी। इसी तरह 14 जिलों और 69 विधानसभा क्षेत्रों वाले सबसे बड़े क्षेत्र मालवा में लुधियाना, पटियाला, मोगा और बठिंडा जैसे शहर शामिल हैं। दोआबा क्षेत्र में जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और शहीद भगत सिंह नगर जैसे जिलों में समुदाय आधारित नेटवर्क का उपयोग करके जी.एम.सी.एल. का संदेश फैलाया जाएगा। गली मोहल्ला क्रिकेट लीग में 30 प्रतिशत महिलाएं होंगी। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं सरपंच ट्रॉफी ग्रामीण क्षेत्रों में नई ऊर्जा लेकर आएगी।

Gali Mohalla
CRICKET LEAGUE

रमोला न्यूज | **पंजाब/ हिमाचल/ उत्तराखंड**

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने पंजाब से नशे के खात्मे के लिए शुरू किया विशेष अभियान

क्रिकेट के जरिए युवाओं को मिलेगा नया जीवन। ग्रामीण पंजाब के लिए "सरपंच ट्रॉफी" की घोषणा

रमोला न्यूज

चण्डीगढ़ : गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता के दौरान पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। दिल्ली और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद, जहां जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ 'नशा मुक्ति अभियान' में भाग लिया था, वहीं अब पंजाब में भी क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है।

इस मौके पर जीएमसीएल ने 'जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा की, जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके प्रेस वार्ता में बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सत्कर्मिक मिशन, अमन चोपड़ी, निदेशक,

ग्लोबल मिशन कैपिटल व साझू खिड़ा पंजाब, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप से शामिल हुए।

इस अवसर पर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के जरिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए अमन चोपड़ी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और पंजाब के पुनर्निर्माण की मुहिम है।

हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें।

इस मौके जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा।

उन्होंने बताया कि पंजाब को तीन क्षेत्रों माझा, मालवा और दोआबा में बांटकर यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि माझा क्षेत्र में अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन और पठानकोट जिलों को शामिल किया गया है। सिख विरासत वाले इस क्षेत्र में नशे के खिलाफ एकजुटता लाई जाएगी। इसी तरह 14 जिलों और 69 विधानसभा क्षेत्रों वाले सबसे बड़े क्षेत्र मालवा में लुधियाना, पटियाला, मोगा और बठिंडा जैसे शहर शामिल हैं। यहां युवाओं को क्रिकेट से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी। इसी तरह दोआबा क्षेत्र में जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और शहीद भगत सिंह नगर जैसे जिलों में समुदाय आधारित नेटवर्क का उपयोग करके जीएमसीएल का संदेश फैलाया जाएगा।

जीएमसीएल ने यह भी स्पष्ट किया कि इस में शामिल खिलाड़ियों में 30% महिलाएं होंगी। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं सरपंच ट्रॉफी ग्रामीण क्षेत्रों में नई ऊर्जा लेकर आएगी। पंजाब में बढ़ते नशे के खतरे और निराशाजनक युवा की समस्या के बीच जीएमसीएल की यह पहल एक नई उम्मीद बनकर उभरी है।

खबरें छापते हैं, छुपाते नहीं स्थापना वर्ष: 2002

हिन्द जनपथ

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने पंजाब से नशे के खात्मे के लिए शुरू किया विशेष अभियान

- क्रिकेट के जरिए युवाओं को मिलेगा नया जीवन
- ग्रामीण पंजाब के लिए रसरपंच ट्रॉफीर की घोषणा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता के दौरान पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। दिल्ली और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद, जहां जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ 'नशा मुक्ति अभियान' में भाग लिया था, वहीं अब पंजाब में भी क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है।

इस मौके पर जीएमसीएल ने 'जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा की, जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके प्रेस वार्ता में बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सतकार्मिक मिशन, अमन बंदवी, निदेशक, ग्लोबल मिडास कैपिटल व साझ्रा खिड़दा पंजाब, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के जरिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए अमन बंदवी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और पंजाब के पुनर्निर्माण की मुहिम है।

हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें।

इस मौके जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा।

उन्होंने बताया कि पंजाब को तीन क्षेत्रों माझा, मालवा और दोआबा में बांटकर यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि माझा क्षेत्र में अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन और पठानकोट जिलों को शामिल किया गया है। सिख विरासत वाले इस क्षेत्र में नशे के खिलाफ एकजुटता लाई जाएगी। इसी तरह 14 जिलों और 69 विधानसभा क्षेत्रों वाले सबसे बड़े क्षेत्र मालवा में लुधियाना, पटियाला, मोगा और बठिंडा जैसे शहर शामिल हैं। यहां युवाओं को क्रिकेट से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी। इसी तरह दोआबा क्षेत्र में जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और शहीद भगत सिंह नगर जैसे जिलों में समुदाय आधारित नेटवर्क का उपयोग करके जीएमसीएल का संदेश फैलाया जाएगा।

जीएमसीएल ने यह भी स्पष्ट किया कि इस में शामिल खिलाड़ियों में 30% महिलाएं होंगी। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं सरपंच ट्रॉफी ग्रामीण क्षेत्रों में नई ऊर्जा लेकर आएगी।

राष्ट्रीय ख़बर

हमारी नज़र

RASTRIYE KHABAR = JUNE 28, PG 5

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने पंजाब से नशे के खात्मे के लिए शुरू किया विशेष अभियान

क्रिकेट के जरिए युवाओं को मिलेगा नया जीवन

ग्रामीण पंजाब के लिए सरपंच ट्रॉफी की घोषणा

जंगशेर राणा

चंडीगढ़, गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जीएमसीएल) ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता के दौरान पंजाब में नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान की शुरुआत की। दिल्ली और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद, जहां जीएमसीएल ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ 'नशा मुक्ति अभियान' में भाग लिया था, वहीं अब पंजाब में भी क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की योजना सामने रखी गई है। इस मौके पर जीएमसीएल ने 'जीएमसीएल सरपंच ट्रॉफी' की घोषणा की, जो ग्रामीण पंजाब को एकजुट करने और गांवों के नेतृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की जाएगी। इस मौके प्रेस वार्ता में बाबा इंदर प्रीत सिंह, आध्यात्मिक प्रमुख, सतकार्मिक मिशन, अमन बंदवी, निदेशक, ग्लोबल मिडास कैपिटल व साझ्रा खिड़दा पंजाब, हरमीत सिंह, निदेशक, खिलाड़ी विकास एवं मनोविज्ञान विभाग और रमन गांधी, सीईओ, जीएमसीएल मुख्य रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि नशा पंजाब के युवाओं और परिवारों को तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट एकजुटता लाता है, इसलिए हम जीएमसीएल के जरिए युवाओं को आशा और उद्देश्य देंगे। इस अवसर पर बोलते हुए अमन बंदवी ने कहा कि जीएमसीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, ये रोजगार, महिला सशक्तिकरण और पंजाब के पुनर्निर्माण की मुहिम है। हरमीत सिंह ने बताया कि हमारी प्राइड अकादमी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, ताकि वे मैदान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों से भी लड़ सकें।

इस मौके जीएमसीएल के सीईओ रमन गांधी ने बड़े स्तर पर योजना के बारे में बताते हुए कहा कि अगस्त 2025 से पंजाब भर में 500 टीमें, 5500 खिलाड़ी और 5000 मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस और स्कूलों के सहयोग से यह अभियान हर गली और गांव तक पहुंचेगा।उन्होंने बताया कि पंजाब को तीन क्षेत्रों माझा, मालवा और दोआबा में बांटकर यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि माझा क्षेत्र में अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन और पठानकोट जिलों को शामिल किया गया है। सिख विरासत वाले इस क्षेत्र में नशे के खिलाफ एकजुटता लाई जाएगी। इसी तरह 14 जिलों और 69 विधानसभा क्षेत्रों वाले सबसे बड़े क्षेत्र मालवा में लुधियाना, पटियाला, मोगा और बठिंडा जैसे शहर शामिल हैं। यहां युवाओं को क्रिकेट से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी। इसी तरह दोआबा क्षेत्र में जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और शहीद भगत सिंह नगर जैसे जिलों में समुदाय आधारित नेटवर्क का उपयोग करके जीएमसीएल का संदेश फैलाया जाएगा।

जीएमसीएल ने यह भी स्पष्ट किया कि इस में शामिल खिलाड़ियों में 30% महिलाएं होंगी। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं सरपंच ट्रॉफी ग्रामीण क्षेत्रों में नई ऊर्जा लेकर आएगी।

पंजाब में बढ़ते नशे के खतरे और सिंथेटिक ड्रग्स की समस्या के बीच जीएमसीएल की यह पहल एक नई उम्मीद बनकर उभरी है। क्रिकेट की लोकप्रियता और गांव-शहर की भागीदारी से यह मुहिम सामाजिक बदलाव की ओर एक मजबूत कदम है। अंत में, जीएमसीएल ने अपने वादे को दोहराते हुए कहा कि खेल, सेवा और एकता के जरिए पंजाब को नशा मुक्त और सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य है।